mation and not by the Commission directly. That is why I am asking you this question And now he is passing on the buck to the Commission.

SHRIMATI INDIRA GANDHI : The Ministry is also taking interest

SHRI K. C. PANT : I am not passing on the buck I have taken note of the suggestion of the hon. Member who is well-informed in these matters.

Tariff Commission's Report on Price Structure of Rayon Synthetic Fabrics and Yarn

*1688 SHRI C. CHITTIBABU : Will the Minister of FOREIGN TRADE be pleased to state :

(a) whether Government have considered the report of the Tariff Commission on the price structure of Rayon Synthetic Fabrics and Yarn ; and

(b) if so, the outcome thereof ?

THE MINISTER OF FOREIGN TRADE (SHRI L. N. MISHRA) : (a) and (b). The report of the Tariff Commission on rayon yarn is at final stage of consideration and Government's decision will be announced very shortly.

SHRI C. CHITTIBABU : May I know, Sir, the important recommendations of the Tariff Commission in this regard and whether one of their recommendations was complete banning of imports ?

SHRI L. N. MISHRA : I cannot say as to what the recommendations of the Tariff Commission are till the Government come to a decision.

SHRI C. CHITTIBABU : May I know when the report of the Tariff Commission was submitted and the reasons for delay in taking decision on the report ?

SHRI L. N. MISHRA : Sometime in July last it was submitted and we have to consult a number of Departments concerned, especially the Industries Ministry and the Ministry of Finance and some others also. Therefore, we had to take some time. Later on, we had to send it back to the Tariff Commission because of the queries raised by them.

SHRI C. CHITTIBABU : What is the time limit ?

SHRI L. N. MISHRA : We have received the report back from them and it is in the final stage of consideration. In a couple of weeks we will announce our final decision.

SHRI C. CHITTIBABU : May I know the definition of 'shortly' ?

पटना में कम शक्ति वाला ट्रांसमीटर

+

*1689. **श्री विभूति मिश्र :**
श्री राजेन्द्र प्रसाद यादव :

क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उत्तरी बिहार और नेपाल के तराई क्षेत्रों में अधिकांश लोग भोजपुरी भाषा जानते है :

(ख) क्या पटना मे लगाया गया ट्रांसमीटर इतनी कम शक्ति वाला है कि उत्तरी बिहार और नेपाल के तराई क्षेत्रो में रेडियो और ट्रांजिस्टर साफ नही सुनाई देते है ; और

(ग) यदि हा, तो क्या सरकार का विचार उत्तरी बिहार के भोजपुरी क्षेत्र में कोई रेडियो स्टेशन स्थापित करने का है ?

सूचना और प्रसारण मन्त्रालय में उप-मंत्री (श्री अर्जबीर सिंह) : (क) भोजपुरी के साथ-साथ यहा के लोग मैथिली और हिन्दी बोलते है ।

(ख) जी, नही । आकाशवाणी के पटना के केन्द्र के कार्यक्रम उत्तरी बिहार तथा नेपाल के तराई क्षेत्रो में सुने जा सकते हैं ।

(ग) फिलहाल ऐसा कोई प्रस्ताव नही है ।

श्री विभूति मिश्र : कुछ दिन पहले इसी सदन में पता चला था कि चीन नेपाल में भारत की सरहद पर खेती का काम शुरू कर रहा है और नेपालियों को चीनी काफी तादाद

में और हर तरह की ट्रेनिंग देते हैं। साथ ही नेपाल का जो बोर्डर एरिया है, वहां पटना रेडियो स्टेशन का समाचार सुनाई नहीं पड़ता है, चम्पारन का जो बोर्डर एरिया है, वहां भी सुनाई नही पड़ता है। मन्त्री जी कहते हैं कि सुनाई पड़ता है। यह तो ओथ अगेंस्ट ओथ हो गया। प्रधान मंत्री जी यहां बैठी हुई हैं। वह वहां चल कर इसको देख सकती हैं। भैंसालोटन चल कर देखें जहां पर गंडक का बैरेज बना है। उसके नजदीक बुटवल एरिया में चीनी लोग नेपालियों को खेती आदि की ट्रेनिंग दे रहे हैं। वह जा कर देखें कि यह रेडियो स्टेशन इस एरिया को कवर करता है या नही। नार्थ बिहार में जो भोजपुरी एरिया है, जहां ज्यादा भोजपुरी बोली जाती है, मैथिली लोग भी रहते हैं, क्या वहां भी एक रेडियो स्टेशन बनाया जाएगा?

श्री धर्मवीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, पटना के साथ गोरखपुर और दरभंगा में रेडियो स्टेशन बनाने का प्रस्ताव है। गोरखपुर का स्टेशन भोजपुरी भाषा में भी प्रसारण करेगा और दरभंगा स्टेशन की जो शक्ति उससे होगी, वह चम्पारन का इलाका भी कवर्ड होगा।

श्री हा० ना० तिवारी : सारन का इलाका?

श्री धर्मवीर सिंह : वह पटना और गोरखपुर से कवर होता है।

श्री विभूति मिश्र : अध्यक्ष जी, इन्होंने कहा कि प्रस्ताव है। गोरखपुर की बोली भोजपुरी है, कई तरह से यू० पी० की बोली से मिलती-जुलती है, लेकिन पूरी भोजपुरी नहीं है— इसलिए मैं जानना चाहता हूं कि इस समय जो दुनियां की स्थिति है, चाइना का नैपाल में प्रचार होता है, लेकिन नैपाल के तराई के क्षेत्रों को ट्रेनिंग देने के लिये, जो हमारे बार्डर से लगा हुआ है, जो अखबार कम पढ़ते हैं, उनकी सुविधा के लिए क्या सरकार आवश्यकता नहीं समझती है कि उत्तर बिहार में यह रेडियो स्टेशन लगावे ताकि न केवल नैपाल बल्कि तिब्बत तक सुनाई दे और आपके प्रचार का प्रोपेगण्डा हो सके। इस समय कोई भी प्रचार नही हो रहा है। जब एमरजन्सी आयेगी तब आप कहेंगे कि भूल गये, इसलिये आप अभी से हिदायत दे ताकि इस तरफ कार्यवाही की जा सके।

श्री धर्मवीर सिंह : माननीय सदस्य का सरकार आभार मानती है कि उन्होंने इन बातों की याद दिलाई है।

श्री राजेन्द्र प्रसाद यादव : मेरा प्रश्न उत्तर बिहार में पटना से होने वाले कार्यक्रम कम सुनाई देने के बारे में था, लेकिन उसको भोजपुरी से मिला दिया गया। मैं जानना चाहता हूं कि नैपाल की तरफ से बढ़ते हुये खतरे को देखते हुये तथा सारे सीमावर्ती इलाके को ध्यान में रखते हुये क्या सरकार सहरसा में रेडियो स्टेशन लगाने का विचार रखती है? यदि हां, तो कहां और कब? यदि नहीं, तो क्यों नहीं?

श्री धर्मवीर सिंह : दरभंगा में एक रेडियो स्टेशन लगाने का प्रस्ताव है और ऐसा समझा जाता है कि दरभंगा का रेडियो स्टेशन सहरसा के एरिये को कवर करेगा।

श्री एन० एन० पांडे : गोरखपुर नैपाल की तराई के नजदीक है तथा उत्तर प्रदेश, बिहार प्रान्तो के केन्द्र का सबसे प्रमुख स्थान है, तो क्या इस बात को देखते हुए, जैसा मंत्री महोदय ने कहा है, कोई हाई-पावर रेडियो स्टेशन वहां पर लगाने का विचार कर रहे हैं? यदि हां, तो वह कब से चालू होगा, क्योंकि कंस्ट्रक्शन का काम वहां पर चालू हो गया है?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRIMATI NANDINI SATPATHY) : We are trying to have a high-power station at Gorakpur and parti-

minary work has already been started there and it may start functioning by 1972-73.

श्री रामावतार शास्त्री : अध्यक्ष महोदय, इस प्रश्न में कमजोर ट्रांसमीटर की बात कही गई है, हैडिंग तो कम से कम यही है। इसलिए मैं जानना चहता हूं—क्या यह बात सच है कि पटना रेडियो से साढ़े सात बजे सायं जो प्रादेशिक समाचार प्रसारित किये जाते हैं, उनमें यदि दिल्ली के लोग सुनना चाहे तो सुनाई नही देते हैं ? यदि यह सच है तो इस कमी को दूर करने के लिये सरकार कौन से उपाय करने का विचार रखती है ?

श्री धर्मवीर सिंह : प्रादेशिक समाचार प्रदेश में सुनाने के लिये प्रसारित किये जाते है ?

श्री रामावतार शास्त्री : हम भी सुनना चाहते हैं, हम लोग भी बिहार से यहा आये हैं और अपने प्रदेश के समाचार सुनना चाहते है।

श्री धर्मवीर सिंह : ये समाचार प्रदेश के लिये प्रसारित किये जाते है, दिल्ली में सुनाई नहीं देंगे।

श्री ह्रा० ना० तिवारी : यह अजब बात देखने में आई है कि रेलवे जोन बनाने की बात हो या रेडियो स्टेशन कायम करने की बात हो, बिहार को बराबर यू० पी० का पुछल्ला बना दिया जाता है। वही से बिहार के लिए हो तो हो, नहीं ही तो नही हो। मैं जानना चाहता हूं कि बिहार के छपरा और मोतिहारी में क्यों नहीं लगाते हैं, गोरखपुर में ही लगाने की बात क्यों कही जाती है...

SHRI N. N. PANDEY : I take strong objection to this . (*Interruptions*)

श्री ह्रा० ना० तिवारी : मैंने बराबर देखा है कि रेलवे जोन का मामला हो, रेडियो स्टेशन का मामला हो, बिहार को यू० पी० से मिला दिया जाता है...

THE PRIME MINISTER, MINISTER OF ATOMIC ENERGY, MINISTER OF HOME AFFAIRS AND MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRIMATI INDIRA GANDHI) : UP and Bihar are both backward and very big States of India. I think that we should amicably see that both of them develop well.

Radio Station at Shillong

*1690. SHRI N. TOMBI SINGH : Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state :

(a) whether Government are considering the installation of a full-fledged Radio Station at Shillong ; and

(b) if so, the capacity of the transmitter and when the new station will be opened ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRIMATI NANDINI SATPATHY) : (a) and (b) Thers is a radio station at Shillong already. However, its studio facilities are limited and it has a low power transmitter. Work on the establishment of permanent studios with improved facilities has been taken in hand and will be completed during the Fourth Plan period. A proposal to set up a high power transmitter is under consideration.

SHRI N. TOMBI SINGH : In view of the developmenis in the eastern zone regarding Bangla Desh and also the other already existing tribal hostilities, the importance of the Shillong transmitting centre cannot be exaggerated. Therefore, may I know from the hon. Minister whether the Government of India are considering the question of paying special attention to the speeding up of the setting up of a high power transmitting centre in Shillong with more broadcasting hours so that the needs of the area could be met and also the hostile propaganda that comes from across the border could be countered ?

SHRIMATI NANDINI SATPATHY : Government are quite aware of the situation prevailing there in the eastern region. Keeping that in view, we propose to increase the power of the Shillong station as quickly as possible and also to have facilities for